

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
राजस्थान में पशु रोग पूर्वानुमान
दिसम्बर, 2019



वर्ष 16

अंक 12

प्रिय पशुपालक भाइयों, पशु चिकित्सकगण एवं पशु पालन विकास से जुड़े समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण –

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि अप्रैल, 2004 से राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के अन्तर्गत पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के वैज्ञानिक उपलब्ध पूर्व आँकड़ों के आधार पर मौसम आधारित पशु रोग पूर्वानुमान लगातार घोषित कर रहे हैं। इस कड़ी में पशुरोग पूर्वानुमान दिसम्बर माह, 2019 हेतु प्रस्तुत है :-

सावधानियां व सुझाव—

1. दिसम्बर माह में तापमान काफ़ी कम हो जाता है जिससे बचाने के लिए पशुओं को रात को छत या छप्पर के नीचे बांध तथा दिन के समय पशु को धूप में बांधें।
2. सर्दी में पशुओं को ऊर्जा की आवश्यकता अधिक होती है, अतः भोजन में चारे-बांटे की मात्रा बढ़ाएं। लवण-मिश्रण देना न भूलें।
3. इस समय पैदा होने वाले नवजात पशुओं को समुचित मात्रा में खीस पिलाएं तथा सर्दी से बचाने हेतु उन्हें बंद कमर में रखें लेकिन ताजा हवा का आवागमन सुनिश्चित करें।
4. पशुओं को परजीवी नाशक दवा देने से पशुओं को परजीवी प्रकोप से बचाया जा सकता है एवं इससे दुग्ध उत्पादन भी बढ़ता है।
5. पशु आहार में हरे चारे की मात्रा नियंत्रित रखें व सूखे चारे की मात्रा बढ़ाकर दें क्योंकि हरे चारे को अधिक मात्रा में खाने से पशुओं में दस्त अथवा एसिडोसिस की समस्या हो सकती है।
6. किसी भी पशु में लगातार बुखार, दस्त, नाक से पानी आना जैसे न्यूमोनिया के लक्षण दिखाई देने पर उसे तुरंत अन्य पशुओं से पृथक कर दें तथा निकटतम पशु चिकित्सक से तुरंत संपर्क करें।
7. यदि खुरपका-मुंहपका, गलघोंटू, पी.पी.आर., फड़किया, छोटी माता, ठप्पा रोग के टीके नहीं लगवाएं हो तो अब लगवा लें।

सर्वाधिक सम्भावित पशु रोग पूर्वानुमान – दिसम्बर 2019

पशु रोग	पशु/पक्षी प्रकार	जिला
पी.पी.आर.	भेड़, बकरी	पाली, सिरौही, कोटा, सीकर, टोंक, बारां, चूरु, बीकानेर, हनुमानगढ़, सिरौही, दौसा
खुरपका-मुंहपका रोग	गाय, भैंस, बकरी, भेड़	धौलपुर, सवाईमाधोपुर, अजमेर, अलवर, बारां, बूंदी, हनुमानगढ़, जालोर, नागौर, राजसमन्द, सीकर, टोंक, कोटा, चित्तौड़गढ़, बारां, चूरु, बीकानेर, जयपुर
गलघोंटू	भैंस, गाय	जयपुर, भीलवाड़ा, अलवर, दौसा, धौलपुर, सीकर, चित्तौड़गढ़, टोंक, भरतपुर, बांसवाड़ा
चेचक/छोटी माता	ऊँट, भेड़, बकरी	बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, पाली, सीकर
लंगड़ा बुखार रोग	गाय, भैंस	चित्तौड़गढ़, हनुमानगढ़, गंगानगर, बीकानेर, नागौर
फेसियोलोसिस	भैंस, गाय, बकरी, भेड़	भरतपुर, कोटा, धौलपुर, झुंझुनू, सीकर, बूंदी, अलवर, बांसवाड़ा
न्यूमोनिक पाश्चुरेल्लोसिस संक्रमण	गाय, बकरी, भेड़	अजमेर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, बीकानेर, जयपुर, झुंझुनू, अलवर, हनुमानगढ़
अश्वों में इन्फ्लुएंजा रोग	घोड़ा	अजमेर, भीलवाड़ा, जोधपुर, नागौर, सीकर, झुंझुनू, पाली
रानीखेत रोग (Ranikheth disease)	मुर्गियां	अजमेर, जयपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, अलवर, कोटा

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें – प्रो. राकेश राव, अधिष्ठाता, वेटेनरी कॉलेज, बीकानेर, डॉ. ए.के. कटारिया, प्रभारी अधिकारी, एपेक्स सेन्टर एवं डॉ. अन्जु चाहर, विभागाध्यक्ष, जनपादकीय रोग विज्ञान एवं निवारक पशु औषध विज्ञान विभाग, वेटेनरी कॉलेज, बीकानेर ।
फोन- 0151-2543419, 2544243, 2201183, टोल फ्री नम्बर 18001806224

मुद्रित सामग्री
अंक 16 (12) 2019

भारत सरकार की सेवार्थ

बुक पोस्ट

सेवा में

.....
.....
.....

प्रेषक –

जन सम्पर्क प्रकोष्ठ

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर-334001

Phone: 0151-2200805, Fax: 0151-2200805, E-mail: prcrajuvas@gmail.com

Website: www.rajuvas.org